दिन 1: भविष्य हमारा महानतम दिन और हमारे शत्रु का सबसे बुरा डरावना सपना है

हम या तो अपने महानतम दिनों में से आ रहे हैं, महानतम दिनों में हैं, या महानतम दिनों की ओर बढ़ रहे हैं, और सत्य यह है कि यह हमारा चयन है। मसीही लोग इस ज्ञान के कारण आशीषित हैं कि हमारी मृत्यु के समय भी हमारा सबसे महानतम दिन अभी आने पर है।

याद रखें कि परमेश्वर हमारे शत्रुओं को हम पर विजयी नहीं होने देगा। उसके पास एक योजना है जिसमें मृत्यु, नरक और कब्र पर हमारी विजय शामिल है। इस विजयी योजना में आपके जीवन की वर्तमान परिस्थितियां और हालात भी शामिल हैं। आपका भविष्य आपका महानतम दिन और आपके शत्रु का सबसे बुरा डरावना सपना है।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मेरा भरोसा आप पर है। न तो दौड़ सबसे तेज़ दौड़ाक की है और न ही युद्ध सबसे बलवंत का है, परन्तु आपका है, हे प्रभु, अपनी इच्छा के अनुसार एक को चढ़ाएं और दूसरे को उतारें। प्रत्येक चुनौती में मुझे विजय दें और अपने वचन और अपने आत्मा के द्वारा मेरे शत्रुओं के बीच मेरा सिर ऊँचा करें।

आज के लिए वचन

यिर्मयाह 29:11 क्योंकि यहोवा की यह वाणी है, कि जो कल्पनाएं मैं तुम्हारे विषय करता हूँ उन्हें मैं जानता हूँ, वे हानि की नहीं, वरन कुशल ही की हैं, और अन्त में तुम्हारी आशा पूरी करूंगा।

1 कुरिन्थियों 2:9 परन्तु जैसा लिखा है, कि जो आंख ने नहीं देखी, और कान ने नहीं सुना, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी वे ही हैं, जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखनेवालों के लिये तैयार की हैं।

2 थिस्सलुनीकियों 1:6 क्योंकि परमेश्वर के निकट यह न्याय है, कि जो तुम्हें क्लेश देते हैं, उन्हें बदले में क्लेश दे।

प्रकाशितवाक्य 20:10 और उन का भरमानेवाला शैतान आग और गन्धक की उस झील में, जिस में वह पशु और झूठा भविष्यद्वक्ता भी होगा, डाल दिया जाएगा, और वे रात दिन युगानुयुग पीड़ा में तड़पते रहेंगे।।

दिन 2: प्रेम ऐसा प्रेम है जो अभिव्यक्ति की मांग करता है

"परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया..." प्रेम अभिव्यक्ति की मांग करता है और प्रेम अधिकतर बार देने की क्रिया के द्वारा व्यक्त होता है। यीशु ने कहा यदि तुम मुझ से प्रेम करते हो तो मेरी आज्ञाओं को मानोंगे। बाद में, उसने पतरस से कहा, "क्या तुम मुझ से प्रेम करते हो?" पतरस के उत्तर के बाद, प्रभु यीशु ने उसे कुछ करने के लिए प्रोत्साहित किया और उससे कहा कि अपने प्रेम को प्रदर्शित करने के लिए उसकी भेड़ें चराए।

edit copy

प्रेरित यूहन्ना ने कहा, यदि किसी व्यक्ति के पास इस संसार की वस्तुएं हैं और वह अपने जरूरतमंद पड़ौसी को देखकर तरस से नहीं भरता और अपनी वस्तुओं से उसकी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं करता तो कोई कैसे कल्पना कर सकता है कि इस व्यक्ति में परमेश्वर का प्रेम है? ध्यान दें कि प्रेम ऐसा प्रेम है जो अभिव्यक्ति की मांग करता है।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेश्वर, मैं आपसे प्रेम करता हूँ और अपना प्रेम आपके लिए और आपके नाम में दूसरों के लिए कुछ करने के द्वारा दिखाना चाहता हूँ। मुझे अपने प्रेम को विभिन्न तरीकों से व्यक्त करने की स्वतन्त्रता दें ताकि मैं इस पृथ्वी पर आपका हाथ बन सकूँ।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 3:16 क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

1 यूहन्ना 3:17 पर जिस किसी के पास संसार की संपत्ति हो और वह अपने भाई को कंगाल देखकर उस पर तरस न खाना चाहे, तो उस में परमेश्वर का प्रेम क्योंकर बना रह सकता है?

यूहन्ना 14:15 यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो मेरी आज्ञाओं को मानोगे।

लूका 6:32 यदि तुम अपने प्रेम रखनेवालों के साथ प्रेम रखो, तो तुम्हारी क्या बड़ाई? क्योंकि पापी भी अपने प्रेम रखनेवालों के साथ प्रेम रखते हैं।

दिन 3: परमेश्वर से ताज़ा वचन प्राप्त करने के लिए सदा तैयार रहें

एक दिन, परमेश्वर ने अब्राहाम से स्पष्ट बात की और उसे यात्रा करके मोरियाह पर्वत पर जाने और वहां अपने पुत्र इसहाक को बलिदान करने के लिए कहा। अब्राहाम ने तुरन्त परमेश्वर के वचन का आज्ञापालन किया और तीन दिन की यात्रा करके गया, पर्वत पर चढ़ा और परमेश्वर के लिए वेदी तैयार की। वहां अब्राहाम ने अपने पुत्र को बांधा और उसे परमेश्वर के स्पष्ट वचन के आज्ञापालन के रूप में बलिदान चढ़ाने के लिए तैयार किया। जब अब्राहाम ने अपने पुत्र का वध करने के लिए चाकू उठाया, प्रभु के स्वर्गदूत ने कहा, "बालक को हानि न पहुंचा।"

इन दोनों में से परमेश्वर का वचन कौन सा था? दोनों ही! यदि अब्राहाम ने इन दोनों में से किसी एक का भी उल्लंघन किया होता तो परिणाम विध्वंसक हो सकते थे। अब्राहाम के समान, अवश्य है कि हम परमेश्वर के वचन का आज्ञापालन करें और साथ ही ताज़ा वचन प्राप्त करने के लिए भी तैयार रहें। कभी कभी, हम एक सड़क पर चलते हैं और उसके अंत तक पहुंच जाते हैं, और कभी कभी, परमेश्वर हमें एक सड़क पर ले जाता है ताकि हमें उस पर आने वाले चौराहे पर ले आए।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे प्रिय प्रभु, मैं आपके वचन को अपने जीवन पर सर्वोच्च अधिकार मानता हूँ। मुझ से बात करें और अपने वचन को मेरे लिए दृढ़ करें। साथ ही, हे पिता, अपनी इच्छा के अनुसार मेरे जीवन के लिए मुझे ताज़ा वचन दें। आपकी आवाज़ सुनने के लिए मैं अपना हृदय और अपने कान खुले रखूंगा।

आज के लिए वचन

उत्पत्ति 22:11–14 तब यहोवा के दूत ने स्वर्ग से उसको पुकार के कहा, हे इब्राहीम, हे इब्राहीम; उस ने कहा, देख, मैं यहां हूं। उस ने कहा, उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न उस से कुछ कर : क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा; इस से मै अब जान गया कि तू परमेश्वर का भय मानता है। तब इब्राहीम ने आंखे उठाई, और क्या देखा, कि उसके पीछे एक मेढ़ा अपने सींगो से एक झाड़ी में बझा हुआ है : सो इब्राहीम ने जाके उस मेंढ़े को लिया, और अपने पुत्र की सन्ती होमबलि करके चढ़ाया। और इब्राहीम ने उस स्थान का नाम यहोवा यिरे रखाः इसके अनुसार आज तक भी कहा जाता है, कि यहोवा के पहाड़ पर उपाय किया जाएगा।

दिन 4: सुरक्षा, रखवाली और बल ऊँचाई में नहीं बल्कि गहराई और चौड़ाई में मिलते हैं

क्या आपने कभी एक के ऊपर एक ब्लॉक्स (खिलौने) रखें हैं, अंत में वे अस्थिर हो जाते हैं और हल्के से झटके से ही गिर जाते हैं। यह उस व्यक्ति की तस्वीर है जो अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए केवल ऊपर की ओर ही जाना चाहता है। यह उस पेड़ के समान है जो तेजी से ऊपर की ओर बढ़ता है, आसमान की ओर जाता है, सूर्य का ताप झेलता है, अधिकतर बार अपने चारों ओर के पेड़ों से अधिक ऊँचा हो जाता है, परन्तु अपनी जड़ों को भूमि की गहराई में ले जाने और अपने आप को मजबूत बनाए रखने के लिए अपनी जड़ों को चारों ओर फैलाने में पर्याप्त समय और ऊर्जा खर्च नहीं करता। हल्की हवा का झोंका भी ऐसे पेड़ को आसानी से गिरा सकता है।

अभी फैसला लें कि आप ऊँचाई में जाने, और अपना संतुलन खोने, अस्थिर होने और गिरने से पहले मसीह में गहराई तक जाने और परमेश्वर की बातों में चारों ओर फैलने में पर्याप्त समय बिताएंगे।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेश्वर, होने दें कि मैं आज का दिन अपने ज्ञान और क्षमता में नहीं बल्कि अपने भीतर रहने वाले आपके अनुग्रह और सामर्थ में बिताऊँ। आज मैं आपसे मांगता हूँ कि मेरे विश्वास की नींव को मजबूत करें ताकि मैं अपने डर पर विजय प्राप्त करूँ और आपके राज्य का एक मजबूत स्तम्भ बन जाऊँ।

आज के लिए वचन

लूका 8:11–14 दृष्टान्त यह है; बीज तो परमेश्वर का वचन है। मार्ग के किनारे के वे हैं, जिन्हों ने सुना; तब शैतान आकर उन के मन में से वचन उठा ले जाता है, कि कहीं ऐसा न हो कि वे विश्वास करके उद्धार पाएं। चट्टान पर के वे हैं, कि जब सुनते हैं, तो आनन्द से

वचन को ग्रहण तो करते हैं, परन्तु जड़ न पकड़ने से वे थोड़ी देर तक विश्वास रखते हैं, और परीक्षा के समय बहक जाते हैं। जो झाड़ियों में गिरा, सो वे हैं, जो सुनते हैं, पर होते होते चिन्ता और धन और जीवन के सुख विलास में फंस जाते हैं, और उन का फल नहीं पकता।

दिन 5: जिस कारण से लोग कलीसिया में जाते हैं, अक्सर निर्धारित करता है कि वे कौन सी कलीसिया में जाते हैं

क्या आपने कभी सोचा है कि आप कलीसिया में क्यों जाते हैं? क्या आप कलीसिया में भरपूरी पाने और जोश से भरने जाते हैं? क्या आप सामाजिक या आत्मिक कारणों और सम्बन्धों के कारण जाते हैं? क्या आप मित्र बनाने और अन्य विश्वासियों के साथ संगति करने के लिए जाते हैं? क्या आप इसलिए जाते हैं क्योंकि आपको पासबान और उनका संदेश बहुत पसंद है या क्योंकि आपको सुविधाएं या सभा का संचालन पसंद है? आपके कलीसिया में जाने के कारणों की सूची लम्बी होती जाएगी।

जिस कारण से आप कलीसिया में जाते हैं, अक्सर निर्धारित करता है कि आप कौन सी कलीसिया में जाते हैं। परमेश्वर से पूछें कि क्या आपके कारण उपयुक्त हैं, और यदि नही तो कलीसियाएं बदलने से पहले, कलीसिया में जाने के अपने कारण बदल डालें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रभु, मुझे मसीह की देह बनाने के लिए और मुझे अच्छी स्थानीय कलीसिया में रखने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मेरी आवश्यकताओं और चाहतों को अपनी इच्छा के अनुसार ढाल लें ताकि मैं मेल खाते हुए दर्शन रखने वालों के साथ काम कर सकूँ और संसार में भिन्नता ला सकूँ।

आज के लिए वचन

लूका 4:16 और वह नासरत में आया; जहां पाला पोसा गया था; और अपनी रीति के अनुसार सब्त के दिन आराधनालय में जा कर पढ़ने के लिये खड़ा हुआ।

यशायाह 55:1–3 अहो सब प्यासे लोगो, पानी के पास आओ; और जिनके पास रूपया न हो, तुम भी आकर मोल लो और खाओ! दाखमधु और दूध बिन रूपए और बिना दाम ही आकर ले लो। जो भोजनवस्तु नहीं है, उसके लिये तुम क्यों रूपया लगाते हो, और, जिस से पेट नहीं भरता उसके लिये क्यों परिश्रम करते हो? मेरी ओर मन लगाकर सुनो, तब उत्तम वस्तुएं खाने पाओगे और चिकनी चिकनी वस्तुएं खाकर सन्तुष्ट हो जाओगे। कान लगाओ, और मेरे पास आओ; सुनो, तब तुम जीवित रहोगे; और मैं तुम्हारे साथ सदा की वाचा बान्धूंगा अर्थात् दाऊद पर की अटल करूणा की वाचा।

दिन 6: जिस प्रकार कलीसिया का संगठन किया गया है, उसका संचालन भी वैसे ही होना चाहिए

यदि हम ऐसा सोचते हैं कि हमें किसी कम्पनी में नौकरी मिल जाए और उसके बाद हम उनके नियम और कानूनों के विरूद्ध विद्रोह कर सकते हैं और फिर भी हम वहां पर दीर्घकालीन समय तक कार्य कर सकते हैं, तो ऐसा सोचकर हम मूर्खता कर रहे हैं। वर्तमान

edit copy

कानूनी अधिकारों के विरूद्ध विद्रोह अक्सर बड़ी समस्याएं खड़ी करता है और हमें अकेला कर देता है, जबकि हमारे आसपास के लोगों के विचारों में भी बहुत भिन्नता ले आता है। किसी भी कम्पनी में नौकरी करने से पहले हम अच्छी तरह से जांच कर देख लेते हैं कि क्या हम उस कम्पनी की वर्तमान संरचना और नियमों की अधीनता में रहकर उनका पालन कर सकते हैं या नहीं।

कलीसियाएं भी ऐसी ही हैं। ऐसी बहुत सारी कलीसियाएं हैं जिनकी नींव यह विश्वास है कि यीशु मसीह ही स्वर्ग का एकमात्र मार्ग है, परन्तु उनके संचालन करने का तरीका बिल्कुल अलग अलग होता है। परमेश्वर की इच्छा है कि कलीसिया में आने वाला प्रत्येक विश्वासी उस कलीसिया के अधिकारियों की अधीनता में रहे। इससे विश्वास की एकता बनी रहती है और सुसमाचार का प्रसार होता रहता है। जिस प्रकार कलीसिया का संगठन किया गया है, उसका संचालन भी वैसे ही करने का पूरा अधिकार कलीसिया के पास है।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मुझे आपके भवन में बुद्धिमान सेवक बनने में सहायता करें। आपने मुझे जिस कलीसिया में रखा है, उसी में मुझे समझ और कृपालुता का आत्मा दें। मैं अपने आत्मिक अधिकारियों के लिए समस्या नहीं अपितु आशीष बनना चाहता हूँ।

आज के लिए वचन
इब्रानी 13:17 अपने अगुवों की मानो; और उनके अधीन रहो, क्योंकि वे उन की नाई तुम्हारे प्राणों के लिये जागते रहते, जिन्हें लेखा देना पड़ेगा, कि वे यह काम आनन्द से करें, न कि ठंडी सांस ले लेकर, क्योंकि इस दशा में तुम्हें कुछ लाभ नहीं।

याकूब 5:9 हे भाइयों, एक दूसरे पर दोष न लगाओ ताकि तुम दोषी न ठहरो, देखो, हाकिम द्वार पर खड़ा है।

दिन 7: जिस प्रकार गैराज में बैठने से आप कार नहीं बन जाते उसी प्रकार कलीसिया में बैठने से आप मसीही नहीं बन जाते

केवल अनन्तता ही बताएगी कि दुनियाभर की कलीसियाओं में बैठने वाले लोगों में से कितने लोगों के पास प्रभु यीशु मसीह द्वारा मिलने वाले उद्धार का वास्तविक ज्ञान था और कितनों ने उसके अनुसार जीवन व्यतीत किया। शत्रु ने बहुत सारे लोगों के मनों में यह धोखा डाल रखा है कि स्वर्ग की नागरिकता पाने के लिए केवल कलीसिया में जाना ही पर्याप्त है। सत्य यह है कि हमारे हृदय की गुप्त बातों को केवल परमेश्वर ही जानता है और हमारा हृदय ही (यह नहीं कि हम कौन सी कलीसिया में जाते हैं या जाते भी है या नहीं) हमारी अनन्तता को निर्धारित करता है।

वास्तव में, कलीसिया सार्वभौमिक और अनन्त है। हम केवल प्रभु यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्त्ता स्वीकार करने के द्वारा ही “कलीसिया” का सदस्य बन सकते हैं। क्या आप सचमुच मसीही हैं या केवल मसीही होने का ढोंग कर रहे हैं? आज ही प्रभु यीशु को अपने हृदय में स्वीकार कर लें और वह आपका नाम मेमने की जीवन पुस्तिका में दर्ज कर देगा!

editcopy

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं वास्तविक मसीही बनना चाहता हूँ। मैं आपसे अपने पापों की क्षमा मांगता हूँ और आपको अपने जीवन में बुलाता हूँ। अपने नाम के निमित्त धार्मिकता के मार्गों में मेरी अगुवाई करें। मैं विश्वास करता हूँ कि मेरा ह्रदय परिवर्तित हो गया है और मैं एक मसीही हूँ!

आज के लिए वचन

प्रेरित 11:26 और जब उन से मिला तो उसे अन्ताकिया में लाया, और ऐसा हुआ कि वे एक वर्ष तक कलीसिया के साथ मिलते और बहुत लोगों को उपदेश देते रहे, और चेले सब से पहिले अन्ताकिया ही में मसीही कहलाए।।

याकूब 1:22 परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते हैं।

दिन 8: खाना पकाने की विधि पढ़ना और खाना पकाना एक समान बात नहीं है

हमारे जीवन में कई अच्छे उद्देश्य हो सकते हैं, हालाँकि हम उन्हें "महत्त्वपूर्ण कार्यों" की सूची में भी लिख सकते हैं, परन्तु वे तब तक सार्थक और पूर्ण नहीं होंगे जब तक उन्हें क्रियात्मक रूप न दे दिया जाए। हमारे मसीही जीवन में, उद्धार और भक्तिपूर्ण जीवन जीने की विधि बता दी गई है। उन्हें केवल पढ़ने मात्र से ही हमारा आत्मिक भोजन नहीं पकेगा। परमेश्वर के वायदों को पूरा होते हुए देखने के लिए हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम परमेश्वर का वचन स्वीकार करें और उसके अनुसार जीएं। जब आप जानते हैं कि परमेश्वर के वचन के अनुसार आपको क्या करना है, और यदि आप उसके अनुसार आज्ञापालन नहीं करते हैं तो आप स्वयं को छोड़ इसका दोष किसी और पर नहीं लगा सकते क्योंकि आपका आज्ञापालन ही आपके चमत्कार का आरम्भ करेगा।

आज ही परमेश्वर के वचन के साथ आपना विश्वास मिलाकर थोड़ा कार्य करें और आप देखेंगे कि आपका जीवन ऊँचाइयों पर जाएगा, आनन्दित बनेगा और पहले से कहीं अधिक सार्थक बन जाएगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, आपके अद्भुत वचन के लिए आपका धन्यवाद। यह आपमें समृद्ध, खुशहाल और स्वस्थ जीवन की विधि है। मेरी सहायता करें कि मैं न केवल इसे पढ़ूँ बल्कि आपकी महिमा के लिए इसके अनुसार जीऊँ भी!

आज के लिए वचन

याकूब 4:17 इसलिये जो कोई भलाई करना जानता है और नहीं करता, उसके लिये यह पाप है।।

इब्रानी 4:2 क्योंकि हमें उन्हीं की नाई सुसमाचार सुनाया गया है, पर सुने हुए वचन से उन्हें कुछ लाभ न हुआ; क्योंकि सुननेवालों के मन में विश्वास के साथ नहीं बैठा।

edit copy

याकूब 2:26 निदान, जैसे देह आत्मा बिना मरी हुई है वैसा ही विश्वास भी कर्म बिना मरा हुआ है।।

दिन 9: बुलाहट और बोझ में भिन्नता

सेवकाई के एक सुनिश्चित क्षेत्र में जीवनभर सेवा करने के लिए आने और तैयार होने के निमंत्रण को बुलाहट कहते हैं। बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु चुने हुए थोड़े हैं। कारण क्या है कि बुलाए हुए तो बहुत हैं परन्तु चुने हुए थोड़े हैं, केवल यही कि दुर्भाग्यवश बहुत थोड़े लोग ही तैयार होने में समय और ऊर्जा खर्च करते हैं। बुलाहट जीवनभर बनी रहती है, जबकि बोझ का कारण यह हो सकता है कि परमेश्वर कुछ करना चाहता है और उस कार्य को करने के लिए कोई व्यक्ति उपलब्ध नहीं है, तो उस बोझ को उठाने के लिए वह आपको चुनता है। बुलाहट के विपरीत बोझ थोड़े समय के बाद या काम पूरा हो जाने के बाद चला जाता है। एक समस्या यह है कि जब तक परमेश्वर हमें न बताए तब तक हमें पता ही नहीं चलता कि हमें बुलाहट (जिसके लिए अत्याधिक तैयारी की आवश्यकता होती है) दी गई या बोझ (जिसके लिए अक्सर सेवकाई में तुरन्त ध्यान देने की आवश्यकता होती है)। जीवनभर के लिए समर्पण करने से पहले निश्चित तौर पर पता कर लें कि आपको जो मिला है वह बुलाहट है या परमेश्वर की ओर से मिला हुआ बोझ।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेश्वर, मेरी सहायता करें कि मैं अपने जीवन के नए नए बोझ पहचानता रहूँ और आपकी ओर से मिली हुई बुलाहट पर निरंतर कार्य करता रहूँ। मैं उस कार्य को मरते दम तक करना चाहता हूँ जो आपने मुझे सौंपा है। आपकी बुलाहट को पूरा करने के लिए मुझे सर्वोत्तम बना दें। आप जो भी बोझ मुझे देना चाहते हैं, वह मुझे दें और अपने राज्य के लिए निरंतर इस्तेमाल करते रहें।

आज के लिए वचन

मत्ती 22:14 क्योंकि बुलाए हुए तो बहुत परन्तु चुने हुए थोड़े हैं।।

2 पतरस 1:10 इस कारण हे भाइयों, अपने बुलाए जाने, और चुन लिये जाने को सिद्ध करने का भली भांति यत्न करते जाओ, क्योंकि यदि ऐसा करोगे, तो कभी भी ठोकर न खाओगे।

गलातियों 6:2 तुम एक दूसरे के भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरी करो।

दिन 10: भागीदारी में बाधा बनने वाली सीमाओं या गुणों का अवलोकन किए बिना किसी के मन में अपेक्षाएं उत्पन्न करना गलत है

क्या आप अपने किसी काम के विषय में बहुत उत्तेजित हुए हैं? तब आपने किसी दूसरे व्यक्ति या कई लोगों को आपके साथ शामिल होने के लिए बुलाया। वे भी बहुत उत्सुक हो गए क्योंकि आपने इसकी बहुत अच्छी तस्वीर बनाई थी कि यह सब कितना अच्छा होगा। शायद यह छुट्टी का दिन, मिशनरी यात्रा, या जन्मदिन की पार्टी थी जिसकी विस्तृत जानकारी आपने

edit copy

नहीं ली। जैसे जैसे यह समय समीप आता गया, यह आपको मंहगा प्रतीत होने लगा, जोखिम भरा लगने लगा, उसकी तिथि उपयुक्त नहीं थी, या शायद यह आपकी यात्रा नहीं थी, परन्तु कोई और व्यक्ति उसका आयोजक था और आपने उनकी अनुमति नहीं ली। शायद आपने ऐसा कभी अनुभव नहीं किया है, परन्तु ऐसा अक्सर लोगों के साथ हो जाता है। ध्यान रखें, किसी के मन में ऐसी अपेक्षाएं उत्पन्न करना गलत है जिन्हें आप पूरा करने में असमर्थ हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मुझे बुद्धिमान, समझदार और धीरजवंत बनने में सहायता करें। मुझे प्रत्येक बात की पूरी समझ दें ताकि मैं लोगों को कहीं ले जाकर उन्हें वहां भटकता हुआ न छोड़ दूँ। हे पिता, मैं जानता हूँ कि जहां मैं निर्बल हूँ वहां आप बलवंत हैं, इसलिए मैं अपनी सीमा से आगे की योजना बनाने के लिए आप पर निर्भर होता हूँ।

आज के लिए वचन

नीतिवचन 29:18 जहां दर्शन की बात नहीं होती, वहां लोग निरंकुश हो जाते हैं, और जो व्यवस्था को मानता है वह धन्य होता है।

नीतिवचन 14:15 भोला तो हर एक बात को सच मानता है, परन्तु चतुर मनुष्य समझ बूझकर चलता है।

लूका 14:28 तुम में से कौन है कि गढ़ बनाना चाहता हो, और पहिले बैठकर खर्च न जोड़े, कि पूरा करने की बिसात मेरे पास है कि नहीं?

दिन 11: सत्य को अपने तक ही रखना झूठ नहीं है

राजा हिजकिय्याह, (2 राजा 20, यशायाह 39), ने अपने भवन के खजाने बेबीलोन वासियों को दिखाकर बहुत बड़ी गलती की थी। उसने उन्हें चांदी, सोना, मसाले, तेल, अपने सारे हथियार और प्रत्येक बहुमूल्य वस्तु दिखाई। राजा हिजकिय्याह के इस मूर्खतापूर्ण कार्य के कारण नबी यशायाह ने उसे फटकार लगाई। क्योंकि राजा हिजिकिय्याह ने अपना सबकुछ अपने शत्रुओं को दिखाने की हिम्मत की, इस कारण परमेश्वर के वचन के अनुसार अंत में उसने अपना सबकुछ खो दिया।

प्रभु यीशु ने मत्ती 7 अध्याय में कहा कि हमें अपने मोती सूअरों के आगे नहीं फेंकने चाहिएं, क्योंकि वे उनका मूल्य नहीं समझेंगे बल्कि उन्हें अपने पांवों तले रौंदेंगे और मुड़ कर हमें फाड़ खाएंगे। सावधान रहें कि आप अपनी बहुमूल्य वस्तुएं किसके साथ बांटते हैं। जो कुछ परमेश्वर ने आपको दिया है, उसकी सुरक्षा करें और उसका दुरुपयोग होने, या आपके विरूद्ध इस्तेमाल होने से उसे बचाए रखें।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय परमेश्वर, मुझे इस बारे में सावधान रहना सिखाएं कि मैं क्या बांटता हूँ और किसके साथ बांटता हूँ। मेरी सहायता करें कि मैं मूर्खता में फंस कर अपने विनाशकों को अपने बारे में सबकुछ न बता दूँ। हे प्रभु, मुझे बुद्धिमान बनाएं, आमीन।

edit copy

आज के लिए वचन
नीतिवचन 13:3 जो अपने मुंह की चौकसी करता है, वह अपने प्राण की रक्षा करता है, परन्तु जो गाल बजाता उसका विनाश जो जाता है।

यूहन्ना 8:6 उन्हों ने उस को परखने के लिये यह बात कही ताकि उस पर दोष लगाने के लिये कोई बात पाएं, परन्तु यीशु झुककर उंगली से भूमि पर लिखने लगा।

नीतिवचन 26:4–5 मूर्ख को उसकी मूर्खता के अनुसार उत्तर न देना ऐसा न हो कि तू भी उसके तुल्य ठहरे। मूर्ख को उसकी मूढ़ता के अनुसार उत्तर देना, ऐसा न हो कि वह अपने लेखे बुद्धिमान ठहरे।

दिन 12: कलीसिया एक रेफ्रीजरेटर नहीं है जिसमें परमेश्वर द्वारा किए गए कार्यों की यादों को सुरक्षित रखा जाए बल्कि यह एक इन्क्यूबेटर है जिसमें वे कार्य जन्म लेने चाहिएं जिन्हें परमेश्वर करना चाहता है

हमें बताया गया है कि लोग मूलतः दो प्रकार के होते हैं... एक वे जो इतिहास पढ़ते हैं और दूसरे वे जो इतिहास बनाते हैं! यह बात कलीसिया के लिए भी सत्य है। परमेश्वर का वचन हमें ऐसे सत्य, सिद्धांत और पद्यतियां देता है जिन्हें हमें परमेश्वर के राज्य के प्रसार और गुणवत्ता के लिए उपयोग करना चाहिए। यदि कलीसिया लोगों को केवल यही सिखाती रहे कि परमेश्वर ने अतीत में क्या क्या किया और विश्वासियों को उस कार्य में, जो परमेश्वर करना चाहता है, शामिल होने के लिए प्रोत्साहित न करे, तो कलीसिया प्रभावहीन हो जाएगी।

मसीहियत केवल इस बात से कहीं बढ़कर है कि हम केवल परमेश्वर के बारे में और अतीत में वह क्या करना चाहता था, सीखें। हमें उसे व्यक्तिगत तौर पर भी जानना है और जो वह आज करना चाहता है उसमें शामिल भी होना है। हमें परमेश्वर के वचन को सुरक्षित रखना है और साथ ही इसकी सेवा भी करना है!

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेश्वर, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझे इतिहास बनाने के लिए रचा है। मैं अपने जीवन के लिए आपकी योजना में एक क्रियाशील भागीदार बनना चाहता हूँ। कृपया मुझे आपके राज्य का प्रसार और उसमें गुणवत्ता लाने का बल, क्षमता और जुनून दें। हे परमेश्वर मैं अपने भविष्य के लिए आपका धन्यवाद देता हूँ।

आज के लिए वचन
याकूब 1:22 परन्तु वचन पर चलनेवाले बनो, और केवल सुननेवाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते हैं।

रोमियों 4:23–24 और यह वचन, कि विश्वास उसके लिये धार्मिकता गिया गया, न केवल उसी के लिये लिखा गया। बरन हमारे लिये भी जिन के लिये विश्वास धार्मिकता गिना जाएगा, अर्थात् हमारे लिये जो उस पर विश्वास करते हैं, जिस ने हमारे प्रभु यीशु को मरे हुओं में से जिलाया।

edit copy

याकूब 2:20 पर हे निकम्मे मनुष्य क्या तू यह भी नहीं जानता, कि कर्म बिना विश्वास व्यर्थ है?

दिन 13: स्वर्ग जाने पर आपको एक ही बात का दुःख होगा कि आप यहां पहले क्यों नहीं आ गए

बाइबल बताती है कि परमेश्वर ने स्वर्ग को इतना अद्भुत बनाया है कि हम उसके अद्भुत वैभव की कल्पना भी नहीं कर सकते। वहां मिलने वाले अद्भुत अनुभव की कल्पना करके देखें... सुनहरी सड़कें, न पीड़ा, न आंसू, न पाप... आप न तो कभी थकेंगे और न ही आपको भूख लगेगी, और तापमान भी एकदम उचित होगा। परमेश्वर कहता है कि यह आपकी कल्पना से भी कहीं बेहतर है।

मेरा यकीन करें, हमसे पहले जितने लोग भी वहां जा चुके हैं, वे हमसे कहीं अधिक आनन्दित हैं और मैं मानता हूँ कि यदि उन्हें चयन करना पड़े तो वे वहीं रहेंगे जहां वे हैं। जो विश्वासी इस पृथ्वी पर अपनी अंतिम सांस लेता है, उसके बारे में हम आश्वस्त हो सकते हैं कि उनके महानतम दिन आने पर हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे परमेश्वर, ऐसे अद्भुत भविष्य के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं अनन्तता के विषय में उत्तेजित हूँ। हे पिता, आपका वचन बताता है कि आपकी वापसी तक मैं आपके राज्य के प्रसार में व्यस्त रहूँ। मैं समर्पण करता हूँ कि इस धरती पर आपके साम्राज्य के निर्माण के लिए मैं अपना सर्वस्व करूंगा। मुझे दिखाएं कि धरती पर मैं समय का अच्छा भण्डारी कैसे बन सकता हूँ और मेरे जीवन के लिए मुझे आपका अनन्त दृष्टिकोण दें।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 2:9 परन्तु जैसा लिखा है, कि जो आंख ने नहीं देखी, और कान ने नहीं सुना, और जो बातें मनुष्य के चित्त में नहीं चढ़ी वे ही हैं, जो परमेश्वर ने अपने प्रेम रखनेवालों के लिये तैयार की हैं।

1 पतरस 1:4 ...अर्थात् एक अविनाशी और निर्मल, और अजर मीरास के लिये, जो तुम्हारे लिये स्वर्ग में रखी है।

प्रकाशितवाक्य 14:13 और मैं ने स्वर्ग से यह शब्द सुना, कि लिख; जो मुरदे प्रभु में मरते हैं, वे अब से धन्य हैं, आत्मा कहता है, हां क्योंकि वे अपने परिश्रमों से विश्राम पाएंगे, और उन के कार्य उन के साथ हो लेते हैं।।

प्रकाशितवाक्य 19:1 इस के बाद मैं ने स्वर्ग में मानो बड़ी भीड़ को ऊंचे शब्द से यह कहते सुना, कि हल्लिलूय्याह उद्धार, और महिमा, और सामर्थ हमारे परमेश्वर ही की है।

दिन 14: कठिन बात वही लगती है जिसे हम वर्तमान में नहीं कर रह हैं

एक दिन प्रभु यीशु लोगों के एक समूह से बात कर रहे थे और उसने उन्हें कहा कि मेरा अनुसरण करने के लिए तुम्हे मेरे जैसा बनना होगा और अपने आप का इनकार करना होगा।

समूह में से कुछ लोगों ने कहा कि यीशु अपने अनुयायियों से बहुत अधिक अपेक्षा कर रहा था। उसके बार बार ऐसा कहने पर समूह के कुछ लोग उसे छोड़कर चले गए और कहा कि से बातें बहुत कठिन हैं।

यीशु का अनुसरण करने के विषय में सबसे कठिन बात क्या है? केवल वही जो कुछ आप समर्पित नहीं करना चाहते। यह दशमांश, गवाही देना, परमेश्वर के चुनिंदा अधिकारियों की अधीनता में आना, क्षमा करना या अपने शत्रुओं से प्रेम करना भी हो सकता है। कठिन बात वही लगती है जिसे हम वर्तमान में नहीं कर रहे हैं। समूह के अन्य लोगों ने यीशु की मांग को मान लिया और घोषणा की कि उसके शब्द उनके लिए जीवन की रोटी हैं। आपके लिए उसके वचन क्या हैं, कठिन बात या जीवन की रोटी?

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं विश्वास करता हूँ कि आपका वचन मेरी परिस्थितियों, मेरे एहसासों और मेरी इच्छा से कहीं बढ़कर है। मैं आपके वचन को अपने जीवन की कठिनाइयों के लिए सरल उपाय के रूप में स्वीकार करता हूँ। मैं उन बातों का प्रारम्भ करने का चयन करता हूँ जो आप मुझसे करवाना चाहते हैं और जिन्हें मैं अभी नहीं कर रहा हूँ। हे प्रभु, मेरी सहायता करें कि मैं भीड़ के साथ भाग न जाऊँ बल्कि आपके वचन को अपने जीवन की रोटी के रूप में स्वीकार करूँ।

आज के लिए वचन

यूहन्ना 6:60–61, 66–68 इसलिये उसके चेलों में से बहुतों ने यह सुनकर कहा, कि यह बात नागवार है; इसे कौन सुन सकता है? यीशु ने अपने मन में यह जान कर कि मेरे चेले आपस में इस बात पर कुड़कुड़ाते हैं, उन से पूछा, क्या इस बात से तुम्हें ठोकर लगती है? इस पर उसके चेलों में से बहुतेरे उल्टे फिर गए और उसके बाद उसके साथ न चले। तब यीशु ने उन बारहों से कहा, क्या तुम भी चले जाना चाहते हो? शमौन पतरस ने उस को उत्तर दिया, कि हे प्रभु हम किस के पास जाएं? अनन्त जीवन की बातें तो तेरे ही पास हैं।

दिन 15ः यदि यह सचमुच आप ही हैं यीशु, तो मुझे ऐसा कुछ करने के लिए कहें जिसे मैं आपके चमत्कार के बिना सम्भवतः नहीं कर पाऊँगा

यदि आप अपने जीवन में केवल वही कर रहे हैं, जिसे करने की क्षमता आप में है, तो इसका अर्थ है कि परमेश्वर आपके जीवन में ज्यादा कुछ नहीं कर रहा है। मत्ती 14 में, पतरस ने यीशु से पूछा, “यदि प्रभु यह तू ही है,,, तो मुझे आज्ञा दे...” ऐसा कुछ करने के लिए जिसे मैं अपनी सामर्थ पर करने में असक्षम हूँ। अगले ही क्षण हम पतरस को पानी पर चलते हुए देखते हैं।

परमेश्वर ऐसे साधारण लोगों की तलाश में है जो उसे अपने जीवन के द्वारा, अपनी क्षमताओं से बढ़कर, असाधारण कार्य करने का अवसर दें। अपने विश्वास को जागृत करें और जब परमेश्वर आपको आपकी क्षमताओं से बढ़कर कुछ करने के लिए कहता है तो हैरान न हो जाएं। जिसने आपको बुलाया है वह आपको बचाए रखेगा और जिसने आपको ठहराया है वह आपके लिए प्रयोजन भी करेगा।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेश्वर, मैं अपनी साधारणता में असाधारण होना चाहता हूँ, अपना जीवन आपके दैनिक प्रयोजनों में जीना चाहता हूँ, आपकी इच्छा पूरी करने के लिए अपने वरदानों और प्रतिभाओं का उपयोग करना चाहता हूँ। तथापि, हे पिता, मैं चमत्कारों का, अपनी क्षमता से परे की बातों का अनुभव करना चाहता हूँ, जो केवल मेरे विश्वास और आपके अनुग्रह से ही पूरी हो सकती हैं। मैं अपना जीवन आपको सौंपता हूँ। मेरे द्वारा कार्य करें।

आज के लिए वचन
मत्ती 14:28 पतरस ने उस को उत्तर दिया, हे प्रभु, यदि तू ही है, तो मुझे अपने पास पानी पर चलकर आने की आज्ञा दे।

दानिय्येल 11:32 ...परन्तु जो लोग अपने परमेश्वर का ज्ञान रखेंगे, वे हियाव बान्धकर बड़े काम करेंगे।

प्रेरित 19:11 और परमेश्वर पौलुस के हाथों से सामर्थ के अनोखे काम दिखाता था।

यशायाह 40:31 परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों की नाई उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।।

दिन 16: केवल आपके भीतर का जुनून ही दूसरों में जुनून पैदा कर सकता है

परमेश्वर का नियम बताता है कि प्रत्येक बीज अपने आप को पुनरुत्पादित करता है। यदि हम भुट्टा चाहते हैं तो हमें भुट्टा ही बोना पड़ेगा। यदि हम गेहूँ चाहते हैं तो हमें गेहूँ ही बोना पड़ेगा। यह केवल स्वाभाविक नियम ही नहीं बल्कि आत्मिक नियम भी है। परमेश्वर को ठट्ठों में नहीं उड़ाया जा सकता। मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटता है।

यदि आप परमेश्वर के वचन के सत्यों के बारे में कायल और जुनूनी हैं तो इन्हें दूसरों के साथ बांटने से उनके जीवन में भी जुनून पैदा होगा। जो बातें आप कहते हैं, वे तब तक दूसरों में ज्वलंत नहीं होंगी जब तक वे आपमें ज्वलंत नहीं होतीं। शायद दूसरों को बांटने के लिए परमेश्वर की ओर से मिले हुए संदेश को मापने का यह भी एक तरीका है। आप किस बारे में जुनूनी हैं? आपकी सच्ची कायलताएं क्या हैं? परमेश्वर ने आपको कौन सा संदेश दिया है जो जीवनों को बदल सकता है? परमेश्वर की ओर से मिले हुए जुनून के साथ अपनी कायलताओं को दूसरों के साथ बांटने से कभी न डरें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मैं आपके वचन के सत्यों की प्रतीति करता हूँ और उनके प्रति कायल हूँ। हे प्रभु मुझमें विश्वास है और मैं जानता हूँ कि मेरी गवाही सुनने वालों के जीवन बदल जाएंगे। हे प्रभु, मैं अपने विश्वास और कायलता को जुनून और लगन के साथ चालित करता हूँ। आमीन।

आज के लिए वचन

edit copy

यूहन्ना 2:17 तब उसके चेलों को स्मरण आया कि लिखा है, 'तेरे घर की धुन मुझे खा जाएगी'।

गलातियों 6:7 धोखा न खाओ, परमेश्वर ठट्ठों में नहीं उड़ाया जाता, क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है, वही काटेगा।

भजन 69:9 क्योंकि मैं तेरे भवन के निमित्त जलते जलते भस्म हुआ, और जो निन्दा वे तेरी करते हैं, वही निन्दा मुझ को सहनी पड़ी है।

दिन 17: बड़ी वर्षा का आरम्भ छोटे बादलों से होता है

1 राजा 18:44–46 सातवीं बार उस ने कहा, देख समुद्र में से मनुष्य का हाथ सा एक छोटा बादल उठ रहा है। एलिय्याह ने कहा, अहाब के पास जाकर कह, कि रथ जुतवा कर नीचे जा, कहीं ऐसा न हो कि तू वर्षा के कारण रुक जाए। थोड़ी ही देर में आकाश वायु से उड़ाई हुई घटाओं, और आन्धी से काला हो गया और भारी वर्षा होने लगी; और अहाब सवार होकर यिज्रेल को चला। तब यहोवा की शक्ति एलिय्याह पर ऐसी हुई; कि वह कमर बान्धकर अहाब के आगे आगे यिज्रेल तक दौड़ता चला गया।

परमेश्वर के महान कार्य उसके लोगों के जीवन में अक्सर बहुत छोटे और महत्त्वहीन रूप में आरम्भ होते हैं। विशालकाय बलूत वृक्ष का जन्म भी उसके छोटे से फल के बीज में से ही होता है। आज परमेश्वर आपके जीवन में क्या आरम्भ कर रहा है? परमेश्वर अपने समय में छोटी छोटी बातों से ही आपके जीवन में अपना कार्य आरम्भ करेगा... यह आरम्भ आज भी हो सकता है।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने मुझमें जो अच्छा कार्य आरम्भ किया है उसे आप पूरा कर रहे हैं। मैं आपके लिए उपलब्ध हूँ कि आप मुझे अपने प्रिय पुत्र के स्वरूप में ढालें और बनाएं। कृपया मेरे जीवन के लिए अपने उद्देश्य मुझे दें और मेरी सहायता करें कि मैं आज आप की ओर से आने वाली छोटी छोटी आशीषों का आदर कर सकूँ।

आज के लिए वचन

मत्ती 13:31–32 उस ने उन्हें एक और दृष्टान्त दिया; कि स्वर्ग का राज्य राई के एक दाने के समान है, जिसे किसी मनुष्य ने लेकर अपने खेत में बो दिया। वह सब बीजों से छोटा तो है पर जब बढ़ जाता है तब सब साग पात से बड़ा होता है; और ऐसा पेड़ हो जाता है, कि आकाश के पक्षी आकर उस की डालियों पर बसेरा करते हैं।

लूका 17:6 प्रभु ने कहा; कि यदि तुम को राई के दाने के बराबर भी विश्वास होता, तो तुम इस तूत के पेड़ से कहते कि जड़ से उखड़कर समुद्र में लग जा, तो वह तुम्हारी मान लेता।

दिन 18: व्यवहार में परिवर्तन आपके स्तर में परिवर्तन ला सकता है

edit copy

हम अक्सर सुनते हैं "व्यवहार सबकुछ है।" एक बात निश्चित है कि व्यवहार में परिवर्तन हमारा जीवन बदल सकता है। व्यवहार हमारे जीवन का एक ऐसा अंग है जिसे हम नियंत्रित कर सकते हैं। हमारा व्यवहार अक्सर हमारे देखने, सुनने और अनुभव करने से निर्मित होता है। फिर इन बातों से हममें विचार उत्पन्न होते हैं। विचार शक्तिशाली होते हैं। जो कुछ हम सोचते हैं वह हमारे व्यक्तित्त्व, बातों और कार्यों को बहुत प्रभावित करता है। हमारा व्यवहार हमारे जीवन के सभी महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों, जैसे हमारा परिवार, कलीसिया, काम, और अन्य लोगों को प्रभावित करता है।

यदि मैं अपने व्यवहार के ऐसे क्षेत्र को पहचान सकता हूँ जिसमें परिवर्तन की आवश्यकता है, तो मेरे लिए आशा है। किसी बुरे व्यवहार को बदलने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि मैं उस क्षेत्र में यीशु को अपना प्रभु बना लूँ और इस समर्पण को प्रतिदिन नया करता रहूँ। "सो अब जो मसीह यीशु में है वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें बीत गई, देखों वे सब नई हो गई हैं।" (2 कुरिन्थियों 5:17) बेहतर व्यवहार के प्रति समर्पण के द्वारा मैं पहाड़ों को भी हटा सकता हूँ। चाहे मेरा व्यवहार नकारात्मक है, सकारात्मक है या इन दोनों के बीच में है, मेरी स्वैच्छा के साथ परमेश्वर मेरे जीवन को रूपांतरित करने में सक्षम है और इसे सफलता और भरपूरी की नई ऊँचाईयों तक ले जा सकता है।

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेश्वर, मैं आपके स्वरूप में बनाया गया था और मुझे चयन करने की स्वतन्त्र इच्छा दी गई है। मैं सबकुछ आपके दृष्टिकोण से देखने और अपने जीवन को आपकी इच्छा के प्रति समर्पित करने का चयन करता हूँ।

आज के लिए वचन
रोमियों 12:2 और इस संसार के सदृश न बनो; परन्तु तुम्हारी बुद्धि के नये हो जाने से तुम्हारा चाल–चलन भी बदलता जाए, जिस से तुम परमेश्वर की भली, और भावती, और सिद्ध इच्छा अनुभव से मालूम करते रहो।

दिन 19: केवल इसलिए कि सबकुछ बुरा हो रहा है, इसका अर्थ यह नहीं है कि हम उसे बद्तर नहीं बना सकते

संत थॉमस एक्वीनस ने कहा, "क्रिया करो। प्रतिक्रिया कभी न करो।" यह सुझाव एक अच्छा परामर्श है और ध्यान देने योग्य है। हमारे जीवन में हमारे सामने ऐसे दबाव, हालात और परिस्थितियां आती हैं जिनमें हम नकारात्मक प्रतिउत्तर दे सकते हैं। चाहे ये कितने भी बुरे क्यों न हों, मेरा यकीन करें, आप इसे बद्तर बना सकते हैं।

कभी भी शारीरिक रूप में प्रतिउत्तर न दें अन्यथा आप एक अस्थाई परिस्थिति को चिरस्थाई समस्या बना लेंगे। यदि हम समस्याओं का प्रतिउत्तर उचित रूप में देना सीख लें तो बड़े बड़े पहाड़ भी हमारे सामने मिट्टी के टीले बन जाएंगे। यह बात मायने नहीं रखती कि आप किन हालातों का सामना कर रहे हैं, बल्कि यह कि आप उनका सामना कैसे कर रहे हैं। समस्याओं से बाहर निकलने का रास्ता ढूँढें, उनमें धसने का नहीं।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना

हे यीशु, आज मैं आपको अपनी विजय का स्त्रोत घोषित करता हूँ। मैं मेमने के लहू और अपनी गवाही के द्वारा जयवंत हुआ हूँ। जब समस्या आएगी तो आपका अनुग्रह और अनुकम्पा मुझे सम्भालेगी। मैं आपकी आवाज़ को सुनना चाहता हूँ ताकि मुझे बुद्धि मिले कि मैं बुरी परिस्थितियों को बद्तर न बना दूँ।

आज के लिए वचन

2 तीमुथियुस 3:11 और ऐसे दुखों में भी जो अन्ताकिया और इकुनियुम और लुस्त्रा में मुझ पर पड़े थे और और दुखों में भी, जो मैं ने उठाए हैं; परन्तु प्रभु ने मुझे उन सब से छुड़ा लिया।

1 पतरस 5:8 सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान गर्जनेवाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है, कि किस को फाड़ खाए।

दिन 20: आपकी जीवनगाथा अभी समाप्त नहीं हुई है, परन्तु यह उन निर्णयों के द्वारा लिखी जाएगी जो आप अपने भविष्य के बारे में लेते हैं

जीवन एक ऐसी गाथा होनी चाहिए जिसे केवल परमेश्वर ही लिखे, एक ऐसी कहानी जो धीरे धीरे करके सामने आती है, तथा जिसका प्रत्येक निर्णय एक नए अध्याय का आरम्भ करता है। हमारी जीवनगाथा हमारी अंतिम और सबसे बुरी गलती के साथ ही समाप्त नहीं हो जाती। पतरस का जीवन उसके द्वारा यीशु का इनकार किए जाने के साथ ही समाप्त नहीं हो गया, और न ही दाऊद को अपने घनिष्ठ मित्र के हत्यारे के रूप में देखा जाता है।

प्रतिदिन परमेश्वर हमें अपने जीवन के लिए उसकी इच्छा का चयन करने का अवसर देता है। एक दिन आएगा जब लोग आपके जीवन के बारे में बातें करेंगे कि आप ने अपने जीवन में क्या क्या उपलब्धियां प्राप्त कीं, यह नहीं कि आपने कहां आरम्भ किया था। आज से ही सही चयन करने का निर्णय ले लें और अपने पिछले बुरे निर्णय से बढ़कर उत्तम, दीर्घ, और बेहतर बनने का अनुग्रह परमेश्वर से मांगें। आपकी जीवनगाथा अभी समाप्त नहीं हुई है, परन्तु यह उन निर्णयों के द्वारा लिखी जाएगी जो आप अपने भविष्य के बारे में लेते हैं।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, अपने अतीत से कुछ सीखने में मेरी सहायता करें। हे प्रभु, मैं आपका अनुग्रह मांगता हूँ ताकि मैं अपने भविष्य और अपने प्रियजनों के भविष्य के लिए उत्तम तैयारी कर सकूँ और उत्तम निर्णय ले सकूँ। मेरे जीवन के लिए अपनी इच्छा को धीरे धीरे और चयन दर चयन करके प्रकट करें।

आज के लिए वचन

फिलिप्पियों 3:13–14 हे भाइयों, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूं: परन्तु केवल यह एक काम करता हूं, कि जो बातें पीछे रह गई हैं उन को भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ। निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूं, ताकि वह इनाम पाऊं, जिस के लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।

edit copy

यशायाह 43:19 देखो, मैं एक नई बात करता हूं; वह अभी प्रगट होगी, क्या तुम उस से अनजान रहोगे? मैं जंगल में एक मार्ग बनाऊंगा और निर्जल देश में नदियां बहाऊंगा।

दिन 21: अगुवों की कानूनी और गैरकानूनी आवाज़ें... दोनों ही प्रभाव डालती हैं

यीशु अगुवा बना। उसने सोच को निर्देशित किया, लोगों का मार्गदर्शन किया, उन्हें सत्य का मार्ग दिखाया, और प्रेम, क्षमा और अनन्त जीवन का मार्ग दर्शाया। अगुवे की परिभाषा का सर्वोत्तम उदाहरण यीशु है। अगुवे की सच्ची आवाज़ में दया, सामर्थ, सुसमाचार प्रचार, और परमेश्वर के राज्य का विस्तार शामिल होगा।

कई लोग दूसरों पर प्रभाव डालते हैं और अपने अगुवाई के स्तर पर कानूनी ढंग से पहुंचे बिना उनकी अगुवाई करना चाहते हैं। कानूनी और गैरकानूनी अगुवे में भिन्नता इस बात से प्रकट नहीं होती कि उनके प्रभाव की मात्रा क्या है, बल्कि इससे कि उन्होंने इस पदवी को कैसे प्राप्त किया। यह महत्त्वपूर्ण है कि हम अगुवों की कानूनी आवाज़ को सुनें जो परमेश्वर की ओर से ठहराए गए है और और उसने उस पदवी को मान्यता प्राप्त और उचित ढंग से प्राप्त किया है। अपने आप को नबी घोषित करने वालों से सावधान रहें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मुझे अपने भीतर छिपे वरदानों को पहचानने का अनुग्रह और बल दें और इन वरदानों को अपनी सामर्थ और प्रेम में होकर मेरे द्वारा कार्य करने दें। मुझ पर प्रभाव डालने वाली आवाज़ों को पहचानने में मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन

1 कुरिन्थियों 9:26 इसलिये मैं तो इसी रीति से दौड़ता हूं, परन्तु बेठिकाने नहीं, मैं भी इसी रीति से मुक्कों से लड़ता हूं, परन्तु उस की नाईं नहीं जो हवा पीटता हुआ लड़ता है।

याकूब 3:1 हे मेरे भाइयों, तुम में से बहुत उपदेशक न बनें, क्योंकि जानते हो, कि हम उपदेशक और भी दोषी ठहरेंगे।

दिन 22: परमेश्वर के नाती–पोते नहीं हैं

परमेश्वर का परिवार पुरूष, स्त्रियों, लड़के, और लड़कियों से मिलकर बना है और इसमें हर उम्र, राष्ट्र, जाति, भाषा के लोग शामिल हैं, वह सब का पिता है और सब उसकी संतान हैं। प्रत्येक व्यक्ति नया जन्म प्राप्त करके स्वयं इस संबंध में प्रवेश करता है। परमेश्वर के नाती–पोते नहीं हैं, केवल संतानें हैं। क्योंकि आपकी माता परमेश्वर की संतान है, इसका अर्थ यह नहीं है कि आप अपने आप ही परमेश्वर की संतान बन जाते हैं। प्रत्येक व्यक्ति को नया जन्म पाना अनिवार्य है।

इसी कारण हमें निरंतर अपनी गवाही देते रहना चाहिए ताकि अन्य लोग भी हमारे पिता को अपने पिता के रूप में जान सकें। मैंने सारे पवित्रशास्त्र में ऐसा वचन ढूंढने का प्रयास किया है जो यह बताता हो कि जो लोग यीशु को अपना मुक्तिदाता नहीं मानते, शायद स्वर्ग में

edit copy

उनका भी स्वागत किया जाए... मुझे एक भी वचन नहीं मिला। अवश्य है कि आप नया जन्म पाएं।

आज के लिए प्रार्थना

हे प्रिय प्रभु, आपका और मेरा, पुत्र और पिता जो रिश्ता है उसके बारे में मुझे और सिखाएं। दूसरों को आप तक लाने का जुनून मुझे दें। जैसे आपको अच्छा लगे, वैसे मुझे अपने परिवार में शामिल कर लें, यीशु के नाम में, आमीन।

आज के लिए वचन

रोमियों 8:16 आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं।

गलातियों 3:26 क्योंकि तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।

1 यूहन्ना 5:2 जब हम परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, और उस की आज्ञाओं को मानते हैं, तो इसी से हम जानते हैं, कि परमेश्वर की सन्तानों से प्रेम रखते हैं।

दिन 23: कुछ लोग अपने लिए परमेश्वर के सर्वोत्तम और परमेश्वर के लिए अपने सर्वोत्तम के आने से पहले ही संतुष्ट हो जाते हैं क्योंकि उनके पास अपने वर्तमान रोमांच से आगे का दर्शन ही नहीं है

"हमने तुम्हारे बारे में सुना हैं। हम जानते हैं कि परमेश्वर तुम्हारे साथ है, और तुम ही जीतोगे।" उस दिन राहाब ने अपने दोनों मेहमानों को यही कहा था। वह जानती थी कि वे दोनों भेदिए हैं, जिन्हें एक शक्तिशाली आक्रामक सेना ने भेजा है जिसका सामना कोई नहीं कर पाया था। वह यह भी जानती थी कि उनकी विजय का कारण यह है कि परमेश्वर उनके संग था। राहाब का जीवन और उसका नगर सदा के लिए बदल जाने वाला था। वह क्या करती? उसने इस्त्राएलियों की सहायता करने की इच्छा जाहिर की और कहा कि आक्रमण के दौरान वे उसे और उसके परिवार को स्मरण करें। क्योंकि राहाब के पास उसकी वर्तमान परिस्थितियों से आगे का दर्शन था, इसलिए उसका रोमांच तो अभी आरम्भ हुआ था।

जीवन शक्तिशाली है, यह हमेशा बदलता रहता है। कभी अच्छा, तो कभी बुरा, बदलाव इस यात्रा का एक आम अंग है। राहाब के समान हमारे पास भी हमारे वर्तमान से आगे का दर्शन होना चाहिए। यह तब आरम्भ होता है जब हम अपने आप को परमेश्वर के सुपुर्द कर देते हैं और अपने जीवन के लिए उसकी योजना में कार्यान्वित हो जाएंगे। बदलाव आ रहा है और जब हम परमेश्वर की योजना के साथ जुड़ते हैं तो हमें उससे डरना नहीं चाहिए।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं अपने भविष्य के लिए आप पर भरोसा रखता हूँ। कृपया मुझे दिखाएं कि मैं आपकी ओर से आने वाले अगले रोमांच के लिए तैयारी कैसे करूँ, और मुझे यह भी दिखाएं कि मुझे अपने जीवन को आपके कार्य के साथ कैसे जोड़ना है।

आज के लिए वचन

इब्रानी 11:31 विश्वास ही से राहाब वेश्या आज्ञा न माननेवालों के साथ नाश नहीं हुई; इसलिये कि उस ने भेदियों को कुशल से रखा था।

नीतिवचन 23:17—18 तू पापियों के विषय मन में डाह न करना, दिन भर यहोवा का भय मानते रहना। क्योंकि अन्त में फल होगा, और तेरी आशा न टूटेगी।

दिन 24: परमेश्वर आपको वह कभी नहीं देगाा जिसे वह आपके द्वारा दूसरों को नहीं दे सकता है

इस्त्राएल में मृत सागर एक मनमोहक स्थान है। यह पृथ्वी का सबसे निचला स्थान है जो पानी से ढका हुआ है। इसे *मृत* सागर इसलिए कहा जाता है क्योंकि उसमें खनिज की मात्रा इतनी अधिक है कि इसमें किसी जीवित वस्तु को पनपने का अवसर ही नहीं मिलता। इस विशालकाय समुद्र के किनारे पर खड़े होकर इतनी हैरानी होती है कि इसमें कोई मछली नहीं है, न ही इसमें किसी प्रकार का कोई समुद्री जीवन है और यहां तक कि कोई पक्षी भी इसका पानी नहीं पीता। इसमें खनिज की मात्रा इतनी अधिक है और इसका पानी इतना भारी है कि लोग इसमें बिना परिश्रम किए तैर सकते हैं।

यह सागर केवल एक कारण से और केवल एक ही कारण से मृत है: ताज़ा जीवनदायक जल को, जो यरदन से और उसके जैसे पानी के अनेक सोतों से बह कर आता है, बाहर निकलने का मार्ग नहीं मिलता। जो पानी मृत सागर में बहकर आता है वह मृत सागर में से होकर बाहर नहीं बह पाता। इसी कारण, मृत सागर हमेशा ग्रहण तो करता रहता है परन्तु देता कुछ नहीं है, परिणामस्वरूप इसमें खनिज की मात्रा अत्याधिक होने के बावजूद भी यह मृत है। मृत सागर न बनें।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मेरे हृदय को अपने जैसा बना दें। मुझे सिखाएं कि मैं केवल लेने वाला ही नहीं बल्कि देने वाला बनूँ। मुझमें यह चाहत बढ़ाएं कि आपसे प्राप्त की हुई वस्तुओं को मैं दूसरों के साथ बांट सकूँ।

आज के लिए वचन

मत्ती 25:29 क्योंकि जिस किसी के पास है, उसे और दिया जाएगा; और उसके पास बहुत हो जाएगा: परन्तु जिस के पास नहीं है, उस से वह भी जो उसके पास है, ले लिया जाएगा।।

नीतिवचन 11:24 ऐसे हैं, जो छितरा देते हैं, तौभी उनकी बढ़ती ही होती है; और ऐसे भी हैं जो यर्थाथ से कम देते हैं, और इस से उनकी घटती ही होती है।

उत्पत्ति 12:2 और मैं तुझ से एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा, और तेरा नाम बड़ा करूंगा, और तू आशीष का मूल होगा।

दिन 25: परमेश्वर निरंतर हमारी सहायता करेगा कि हम उसे शर्मिंदा न होने दें

edit copy

परमेश्वर निरंतर हमारी सहायता करेगा कि कि हम उसे शर्मिंदा ने होने दें, यही हमारा लक्ष्य है। गतसमनी में यीशु के समान, जो अपनी आवश्यकता की घड़ी में प्रार्थना कर रहा था, हम भी अक्सर अपने आप को परीक्षा या संकट की घड़ी में प्रार्थना करते हुए पाते हैं। यीशु ने क्रूस से और जिस अनुभव को उसने चुना था, उससे बचने के लिए प्रार्थना की। तथापि, उसकी तीनों प्रार्थनाओं में एक ही बात हावी रही, "मेरी नहीं, परन्तु तेरी इच्छा पूरी हो"।

संकट की प्रत्येक परिस्थिति में परमेश्वर हमारा सहायक बनकर सदा उपलब्ध रहता है और वह न तो हमें छोड़ेगा और न ही हमें त्यागेगा। उसने ऐसा कहा है ताकि हम साहस के साथ यह कह सकें, "परमेश्वर मेरा सहायक है, मैं किसी से नहीं डरूंगा।" इसलिए परमेश्वर के वचन के सत्य पर दृढ़ता से खड़े रहें और आत्मविश्वास के साथ इस तथ्य को मानें कि परमेश्वर निरंतर हमारी सहायता करता रहेगा ताकि हम उसे शर्मिंदा न होने दें।

आज के लिए प्रार्थना
हे प्रभु, मैं अपने सब कामों में आपको प्रसन्न करना चाहता हूँ। जब जीवन के संकट, परीक्षाएं और प्रलोभनों का दबाव बढ़ता है तो, मेरी पुकार सुनें, मुझे मेरे शत्रुओं से छुड़ाएं ताकि मैं आपको कभी शर्मिंदा न होने दूँ। हे प्रभु, यह मेरी चाहत है कि मेरी नहीं परन्तु तेरी इच्छा पूरी हो।

आज के लिए वचन
भजन 119:32 जब तू मेरा हियाव बढ़ाएगा, तब मैं तेरी आज्ञाओं के मार्ग में दौड़ूंगा।।

भजन 27:13 यदि मुझे विश्वास न होता कि जीवितों की पृथ्वी पर यहोवा की भलाई को देखूंगा, तो मैं मूर्च्छित हो जाता।

इब्रानी 13:5–6 तुम्हारा स्वभाव लोभरहित हो, और जो तुम्हारे पास है, उसी पर संतोष किया करो; क्योंकि उस ने आप ही कहा है, कि मैं तुझे कभी न छोडूंगा, और न कभी तुझे त्यागूंगा। इसलिये हम बेधड़क होकर कहते हैं, कि प्रभु, मेरा सहायक है; मैं न डरूंगा; मनुष्य मेरा क्या कर सकता।

दिन 26: पाप की कोई सीमा नहीं होती

गिनती 22 से लेकर 31 तक में बिलाम की कथा पाप की प्रगति को दर्शाती है। अपने आप पर छोड़ दिए जाने पर पाप में सुधार नहीं आता बल्कि यह और बिगड़ जाता है। नए नियम के अनुसार बिलाम के पाप का आरम्भ उसकी एक छोटी से गलती से हुआ। बिना जांचे, बिना चुनौती दिए और बिना बदले, बिलाम कायलता को निरंतर नज़रअंदाज करता रहा और पाप को फैलने और बढ़ने का अवसर देता रहा।

धीरे धीरे पाप ने बिलाम के जीवन पर सम्पूर्ण नियंत्रण कर लिया, अंत में इसकी कीमत उसे अपनी सेवकाई और जीवन देकर चुकानी पड़ी। पाप की कोई सीमा नहीं होती। हम पाप को अपने जीवन में थोड़ा सा स्थान भी नहीं दे सकते। न अपने विचारों में, न अपनी योजनाओं में और न ही अपने कामों में। पाप अपने रास्ते में आने वाली हम बात को नष्ट कर देता है।

edit copy

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेश्वर, मेरे पापों को मिटाने के लिए यीशु कलवरी के क्रूस पर मरा। उसके बहे हुए लहू के द्वारा मिली क्षमा के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं पाप को अपने जीवन में जड़ पकड़ने या फल उत्पन्न करने का अवसर नहीं दूंगा। मैं अपने आप को जांचूगा, अपने आप को चुनौती दूंगा और आवश्यकतानुसार अपने आप को बदलूंगा। हे परमेश्वर, मेरी सहायता करें।

आज के लिए वचन
यहूदा 1:11 उन पर हाय! कि वे कैन की सी चाल चले, और मजदूरी के लिये बिलाम की नाईं भ्रष्ट हो गए हैं: और कोरह की नाईं विरोध करके नाश हुए हैं।

रोमियों 6:12 इसलिये पाप तुम्हारे मरनहार शरीर में राज्य न करे, कि तुम उस की लालसाओं के आधीन रहो।

याकूब 1:15 फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जनती है और पाप बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है।

दिन 27: पाप आपको आपकी इच्छा से अधिक दूर ले जाएगा, आपकी अपेक्षा से अधिक समय तक जकड़े रखेगा, और आपकी कल्पना से बढ़कर मंहगा पड़ेगा

बिलाम की कथा गिनती की पुस्तक में आगे बढ़ती है और दिखाती है कि बिलाम पाप की गहराई में धंसता जाता है। आरम्भ में उसने केवल पाप के विचार का स्वागत किया था। तथापि अंत में, बिलाम के जीवन में पाप इतना अधिक बढ़ गया कि अब यह केवल एक गलती नहीं रह गया था। अब यह उसकी जीवनशैली बन गया था। बिलाम के लालच ने उससे उसका सबकुछ छीन लिया।

बिना जांचे, बिना चुनौती दिए और बिना बदले, पाप धीरे धीरे करके एक व्यक्ति को पूरी तरह तबाह कर देता है। पाप आपको आपकी इच्छा से अधिक दूर ले जाएगा, आपकी अपेक्षा से अधिक समय तक जकड़े रखेगा, और आपकी कल्पना से बढ़कर मंहगा पड़ेगा। हम पाप के लिए यह बहाना नहीं बना सकते कि “मैं तो ऐसा ही हूँ।” गलतियों को अपने आप पर छोड़ दिए जाने पर वे जीवनशैली बन जाती हैं और जीवनशैली को बदलना कठिन होता है, इसलिए गलती को पहली बार में ही सुधार लें।

आज के लिए प्रार्थना
हे पिता, मेरी सहायता करें कि मैं पाप को हलकी बात न समझूँ और न ही अपने आप को जांचने, चुनौती देने और बदलने के लिए पवित्र आत्मा की कायलता को नज़रअंदाज करूँ। मुझे पाप से अपने आप को बचाए रखने की दूरदर्शिता और बल दें। हे पिता, आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

edit copy

2 पतरस 2:15 वे सीधे मार्ग को छोड़कर भटक गए हैं, और बओर के पुत्र बिलाम के मार्ग पर हो लिए हैं; जिस ने अधर्म की मजदूरी को प्रिय जाना।

रोमियों 6:14 और तुम पर पाप की प्रभुता न होगी, क्योंकि तुम व्यवस्था के आधीन नहीं बरन अनुग्रह के आधीन हो।

1 कुरिन्थियों 6:18 व्यभिचार से बचे रहोः

दिन 28: हम अपने पाप में अकेले नाश नहीं होते,,, हम दूसरों को भी अपने साथ ले जाते हैं

बिलाम की कथा का अंतिम भाग ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है जो पाप में डूब चुका है और अपने आप को धोखा दे रहा। उसने परमेश्वर के भय के कारण इस्त्राएलियों को श्राप तो नहीं दिया, परन्तु उसने दूसरों को यह अवश्य सिखाया कि परमेश्वर के लोगों को हराना कैसे है। प्रकाशितवाक्य 2:14 के अनुसार, बिलाम का पाप, जिसका आरम्भ एक गलती से हुआ और फिर जीवनशैली बन गया, बाद में एक शिक्षा के रूप में स्वीकार कर लिया गया था। बिलाम ने दूसरों को सिखाया कि इस्त्राएलियों के आगे ठोकर का कारण कैसे रखना है।

जब किसी व्यक्ति के जीवन में पाप को पूरी छूट दे दी जाती है, तो वह दूसरों को भी प्रभावित करता है और उन्हें भी अपने साथ नरक में ले जाता है। अपने आप को जांचे, अपने आप को चुनौती दें और आज ही अपनी जीवनशैली बदल लें। शैतान को कोई स्थान न दें, वरना वह आप पर हावी हो जाएगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे मेरे पिता, मुझे क्षमा कर दें कि मैंने अपने जीवन में पाप का स्वागत किया और उसे अपने जीवन में स्थान दिया। मैं उन लोगों के छुटकारे के लिए प्रार्थना करता हूँ जिन पर मैंने अपने पाप का बुरा प्रभाव डाला है। जो लोग मेरी सुनते हैं और मेरा अनुसरण करते हैं वे केवल तभी ऐसा करें जब मैं आपका अनुसरण करूँ। आमीन।

आज के लिए वचन

प्रकाशितवाक्य 2:14 पर मुझे तेरे विरूद्ध कुछ बातें कहनी हैं, क्योंकि तेरे यहां कितने तो ऐसे हैं, जो बिलाम की शिक्षा को मानते हैं, जिस ने बालाक को इस्त्राएलियों के आगे ठोकर का कारण रखना सिखाया, कि वे मूरतों के बलिदान खाएं, और व्यभिचार करें।

1 कुरिन्थियों 11:1 तुम मेरी सी चाल चलो जैसा मैं मसीह की सी चाल चलता हूं।।

यहोशू 22:20 देखो, जब जेरह के पुत्र आकान ने अर्पण की हुई वस्तु के विषय में विश्वासघात किया, तब क्या यहोवा का कोप इस्त्राएल की पूरी मण्डली पर न भड़का? और उस पुरूष के अधर्म का प्राणदण्ड अकेले उसी को न मिला।।

दिन 29: जीवन एक परख है ... इसमें सफल हों!

edit copy

जीवन के सबसे कठिन प्रलोभनों और संकटों के उत्तर परमेश्वर के पवित्र वचन में दिए गए हैं। बहुत बार हम सोचते हैं कि हमारे सामने आने वाली परिस्थितियां हमें परख रही हैं। जीवन कभी कभी बहुत कठिन हो जाता है, और हम में से अधिकतर लोगों को परख का सामना करना अच्छी रीति से नहीं आता।

तथापि, एक खुशखबरी है! प्रत्येक परख एक खुली हुई पुस्तक में से पूछा गया प्रश्न है जिसके उत्तर हमें बाइबल में दिए गए हैं, परन्तु साथ ही हमें प्रोत्साहित भी किया गया है कि हम अपने शिक्षकों और हमसे पहले परखों में सफल हो चुके लोगों से प्रश्न पूछें और सहायता मांगें। इसलिए यदि आप इस परख में सफल नहीं हो पाते हैं तो निराश न हों, आपको इसका दोबारा अवसर मिलेगा।

आज के लिए प्रार्थना

हे पिता, मैं आपके वचन के माध्यम से जानता हूँ कि आप अपनी संतानों की परीक्षा या परख बुराई के द्वारा नहीं करते। मैं जानता हूँ कि मेरे मार्ग में आने वाली बुराई आपकी ओर से नहीं आती। मेरी सारी समस्याओं का समाधान आप ही हैं। मुझे अपना वचन सिखाएं और मेरी सहायता करें कि मैं दूसरों को उनके जीवन की परख के समय सहायता कर सकूँ। बाइबल के लिए आपका धन्यवाद।

आज के लिए वचन

2 तीमुथियुस 3:16 हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है।

याकूब 1:13 जब किसी की परीक्षा हो, तो वह यह न कहे, कि मेरी परीक्षा परमेश्वर की ओर से होती है; क्योंकि न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा हो सकती है, और न वह किसी की परीक्षा आप करता है।

दिन 30: प्रभु यीशु के लिए आप सबसे अधिक संख्या में जिन लोगों को प्रभावित करेंगे, शायद उन लोगों से आप अभी तक मिले भी नहीं हैं

जिन लोगों से हम मिल चुके हैं, उनकी तुलना में उन लोगों की संख्या बहुत बड़ी है जिन्हें हम अभी तक नहीं जानते हैं। इस बात से हमारा दृष्टिकोण ऐसा हो जाना चाहिए कि हमारी पिछली उपलब्धियों की तुलना में भविष्य में हमारे लिए बहुत कुछ रखा है।

चाहे हमने जितने भी लोगों को अभी तक सुसमाचार सुनाया है, हम इस बात से उत्साहित हो सकते हैं कि बहुत बड़ी संख्या में लोग अभी बाकी हैं जिन्हें हमने यीशु के लिए जीतना है और वे ऐसे लोग हैं जिन्हें हम अभी तक मिले भी नहीं हैं ... शायद ऐसे लोग भी जो अभी तक पैदा भी नहीं हुए हैं। लोगों को प्रभु की आवश्यकता है और लोग सुनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं – बहुत सारे नए लोग! आज किसी नए व्यक्ति को अवश्य मिलें।

आज के लिए प्रार्थना

edit copy

हे परमेश्वर, मैं आपके लिए आत्माएं जीतने वाला बनना चाहता हूँ। मुझे मनुष्यों का मछुआरा बनाएं और मुझे वे खेत दिखाएं जो पक्के हैं और मेरे लिए तैयार किए गए हैं। मुझे अपना दृष्टिकोण सही बनाए रखने और यह समझने में सहायता करें कि अभी भी बहुत सारे लोगों ने सुसमाचार नहीं सुना है।

आज के लिए वचन
यूहन्ना 4:35 क्या तुम नहीं कहते, कि कटनी होने में अब भी चार महीने पड़े हैं? देखो, मैं तुम से कहता हूं, अपनी आंखे उठाकर खेतों पर दृष्टि डालो, कि वे कटनी के लिये पक चुके हैं।

मत्ती 4:19 और उन से कहा, मेरे पीछे चले आओ, तो मैं तुम को मनुष्यों के पकड़नेवाले बनाऊंगा।

लूका 10:2 और उस ने उन से कहा; पक्के खेत बहुत हैं; परन्तु मजदूर थोड़े हैंः इसलिये खेत के स्वामी से बिनती करो, कि वह अपने खेत काटने को मजदूर भेज दे।

दिन 31ः जब हम परमेश्वर से मुंह मोड़ लेते हैं तब वह किसी दूसरे को खड़ा कर देता है

परमेश्वर के पास एक योजना है और वह उसमें सफल होगा। हालाँकि वह ऐसा चाहता नहीं है, परन्तु वह हमारी सहायता के बिना भी सबकुछ कर सकता है। उसके पास एक योजना है। वह सफल होगा और हमारे पास उसमें भागीदार बनने का अवसर है। तथापि, इस्त्राएलियों की उस पीढ़ी के समान जो मिस्त्र से आए थे, चाहे उन्होंने परमेश्वर की योजना का अनुसरण नहीं किया और प्रतिज्ञा के देश को भी जीत लिया, उसने अपनी योजना को नहीं त्यागा... उसने किसी और को ढूँढ लिया जो अनुसरण करता।

मौर्दकै ने एस्तेर से कहा कि यदि वह अपने डर से आगे न बढ़ी और परमेश्वर के दिए हुए कार्य को पूरा नहीं किया, तो परमेश्वर किसी और को उसके स्थान पर खड़ा कर देगा, परन्तु वह और उसका घराना नाश हो जाएंगे। परमेश्वर से मुंह न मोड़ें क्योंकि ऐसा करने से उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। जब हम परमेश्वर से मुंह मोड़ लेते हैं तब वह किसी दूसरे को खड़ा कर देता है, और अक्सर वे हमारे बिना ही आगे बढ़ जाते हैं!

आज के लिए प्रार्थना
हे परमेश्वर, मुझे आपकी योजना में जोड़ने के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं अपने जीवन के लिए आपकी इच्छा को पूरा करना चाहता हूँ। चाहे कोई भी लक्ष्य हो, चाहे कोई भी कीमत चुकानी पड़े, मैं पूर्णतः आपका अनुसरण करूँगा।

आज के लिए वचन
प्रेरित 20:24 परन्तु मैं अपने प्राण को कुछ नहीं समझताः कि उसे प्रिय जानूं, बरन यह कि मैं अपनी दौड़ को, और उस सेवकाई को पूरी करूं, जो मैं ने परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार पर गवाही देने के लिये प्रभु यीशु से पाई है।

edit copy

2 तीमुथियुस 4:7 मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं मैं ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैं ने विश्वास की रखवाली की है।

गिनती 14:24 परन्तु इस कारण से कि मेरे दास कालिब के साथ और ही आत्मा है, और उस ने पूरी रीति से मेरा अनुकरण किया है, मैं उसको उस देश में जिस में वह हो आया है पहुंचाऊंगा, और उसका वंश उस देश का अधिकारी होगा।

edit copy